आकाशवाणी श्री विजयपुरम

26.02.2025 समय : 1850

- केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने नाविकों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए प्रस्तावित किया हाइब्रिड प्रशिक्षण मॉडल।
- भारत की न्यायपालिका और कानून प्रवर्तन में एआई को एकीकृत करने की प्रक्रिया चालू।
- विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समागम महाकुंभ आज महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान के साथ संपन्न हो रहा है।
- द्वीपसमूह में टीबी रोगियों को पोषण संबंधी सहायता प्रदान करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

<><><><><><><>

बंदरगाह, जहाजरानी और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था को पोषित करने वाली जीवन रेखाएं हैं। यह बात केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आज मुंबई में बंदरगाह, जहाजरानी और लॉजिस्टिक्स दो हजार पच्चीस पर बारहवें द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन के दौरान कही। श्री गोयल ने कहा कि देश में जहाज निर्माण के अवसर बहुत अधिक हैं और सरकार इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के तरीकों पर विचार कर रही है। उन्होंने उद्योग से भारत में जहाजों के फ्लैगिंग को आकर्षक बनाने के तरीके सुझाने का आग्रह किया। श्री गोयल ने कहा कि भारत ने पिछले एक दशक में अपनी बंदरगाह क्षमता को दोगुना कर दिया है और जहाजों के टर्नअराउंड समय को काफी कम कर दिया है। उन्होंने बंदरगाहों पर वर्तमान यातायात को संभालने के लिए लॉजिस्टिक्स प्रणाली को अधिक अनुकूल बनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, "लॉजिस्टिक्स में सहायता के लिए एकीकृत लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म–यूलिप पेश किया गया है, लेकिन बंदरगाहों पर पूरे इकोसिस्टम से जुड़ी लॉजिस्टिक्स प्रदान करने के लिए और अधिक आयडिया की आवश्यकता है।" मंत्री ने इस क्षेत्र में नाविकों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए प्रशिक्षण के एक हाइब्रिड मोड का आह्वान किया। उन्होंने समुद्री व्यापार और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को विकसित भारत के लिए रीढ़ की हड्डी बताया।

<><><><><><><>

कृत्रिम बुद्धिमत्ता भारत की न्यायपालिका और कानून प्रवर्तन में एक परिवर्तनकारी बदलाव ला रहा है, जिससे दक्षता, पहुँच और निर्णय लेने की क्षमता में वृद्धि हो रही है। न्यायिक प्रक्रियाओं, वाद प्रबंधन, कानूनी अनुसंधान और कानून प्रवर्तन में एआई को एकीकृत करके, भारत संचालन–प्रक्रिया को सुव्यवस्थित कर रहा है, देरी में कमी ला रहा है और न्याय को सभी के लिए अधिक सुलभ बना रहा है। न्यायपालिका को लंबित मामलों, भाषा संबंधी बाधाओं और डिजिटल आधुनिकीकरण की आवश्यकता जैसी दीर्घकालिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। एआई–संचालित तकनीकों का उपयोग करके प्रशासनिक कार्यों को स्वचालित करने, वाद निगरानी में सुधार करने और अपराध की रोकथाम को सशक्त करने के लिए किया जा रहा है। ई–कोर्ट परियोजना चरण–तीन के तहत एआई की सहायता से कानूनी अनुवाद, पुलिस कार्य और एआई–संचालित कानूनी चैटबॉट जैसी पहल कानूनी परिदृश्य को नया रूप दे रही हैं, जिससे प्रक्रियाएँ तेज़, स्मार्ट और अधिक पारदर्शी हो रही हैं। एआई – संचालित उपकरण अब स्मार्ट सूची–निर्माण, केस प्राथमिकता और लंबित मामलों में सक्रिय रूप से कमी लाने के लिए उपयोग किये जा रहे हैं। एआई–संचालित वर्चुअल कानूनी सहायक और आवश्यक कानूनी अपडेट के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए उपलब्ध हैं।

चौबीसों घंटे उपलब्ध यह डिजिटल सहायता लोगों के लिए न्यायिक प्रणाली को अधिक सुलभ बनाती है।

<><><><><><><>

प्रयागराज में, विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समागम महाकुंभ आज महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर संपन्न होने जा रहा है। देशभर से आये श्रद्धालु प्रयागराज में आज सवेरे से ही संगम और अन्य घाटों में डुबकी लगा रहे हैं। तेरह जनवरी को शुरू हुए महाकुंभ में अब तक चौंसठ करोड़ साठ लाख से अधिक श्रद्धालु डुबकी लगा चुके हैं। एक सौ चवालीस वर्षों में केवल एक बार होने वाले एक दुर्लभ खगोलीय संयोग से इस वर्ष महाकुंभ का महत्व और भी बढ़ गया है। इस आयोजन को सुरक्षित और यादगार बनाने के लिए अधिकारियों ने विशेष प्रबंध किए हैं। राष्ट्रीय आपदा मोचनबल–एनडीआरएफ, राज्य आपदा मोचन बल–एसडीआरएफ, होमगार्ड और पुलिस दल, लोगों की सुरक्षा के लिए घाटों पर तैनात हैं।

<><><><><><><>

महाशिवरात्रि का पर्व आज देशभर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। महाशिवरात्रि का पर्व भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उप–राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र ने महाशिवरात्रि पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति ने भगवान महादेव का आशीर्वाद सभी लोगों पर बने रहने और भारत के प्रगति के पथ पर आगे बढ़ने की कामना की है। उप–राष्ट्रपति ने कहा कि यह पर्व आत्म–मंथन और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है और यह लोगों को ज्ञान, संयम और करुणा के पथ पर चलने के लिए प्रेरित करता है। प्रधानमंत्री ने भगवान शिव को समर्पित इस पर्व से सभी देशवासियों के लिए समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। द्वीपसमूह के विभिन्न मंदिरों में भी आज महाशिवरात्रि का पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। लोग सुबह से ही मंदिरों में पूजा–अर्चना कर रहे हैं। भजन–कीर्तन के साथ मंदिरों में भोज का आयोजन भी किया जा रहा है।

<><><><><><><>

भारत सरकार ने टीबी रोगियों को पोषण संबंधी सहायता प्रदान करने में सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान शुरू किया। इस पहल के तहत, निक्षय मित्र आवश्यक पोषण संबंधी सहायता प्रदान करने के लिए कम से कम छह महीने की अवधि के लिए एक या अधिक टीबी रोगियों को गोद ले सकते हैं। इस अभियान का उद्देश्य अतिरिक्त सहायता के माध्यम से टीबी रोगियों के लिए उपचार को बढ़ाना और दो हजार पच्चीस तक टीबी को खत्म करने के भारत के मिशन में समुदाय को शामिल करना है। अंडमान निकोबार एकीकृत विकास निगम ने द्वीपसमूह से टीबी मरीजों को गोद लेने और उन्हें आवश्यक पोषण संबंधी सहायता प्रदान करने का संकल्प लिया है। वर्तमान में एक सौ सतहत्तर टीबी रोगियों को तीनों जिलों में निक्षय मित्रों से सहायता मिल रही है। टीबी के बढ़ते मामलों को देखते हुए सभी क्षेत्रों के व्यक्तियों को निक्षय मित्र के रूप में पंजीकरण करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। निक्षय मित्र के रूप में पंजीकरण कराने के इच्छुक लोग अधिक जानकारी के लिए 03192–242132 पर संपर्क कर सकते हैं।

<><><><><><><>

दक्षिण अंडमान जिले में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना कर्मचारियों के सहयोग से राज्य महिला सशक्तिकरण केंद्र की ओर से प्रातरापुर सामुदायिक हॉल मेंयोजना के लिए जागरूकता और पंजीकरण अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान, प्रतिभागियों को योजना की पात्रता मानदंड, लाभ और आवेदन प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, पंजीकरण प्रक्रिया के दौरान प्रतिभागियों के मुद्दों का समाधान किया गया। इस कार्यक्रम में कुल बावन प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें उनके संबंधित क्षेत्रों की गर्भवती महिलाएं, आम जनता और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता शामिल थीं।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महान क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धाजंलि अर्पित की है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में श्री मोदी ने कहा कि राष्ट्र स्वतंत्रता आंदोलन में वीर सावरकर के बलिदान, साहस और संघर्षपूर्ण बहुमूल्य योगदान को कभी नहीं भूलेगा।

<><><><><><><>